



न्यूज़ बीफ

आईपीएल के अगले सत्र में सनराइजर्स से शायद ही खेलें अभिषेक

मुम्बई 1।आक्रामक सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा के आईपीएल 2027 सत्र में सनराइजर्स हैदराबाद की ओर से खेलने की संभावना नहीं है। जिस प्रभुकार से ईशान किशन को टीम की कप्तानी सौंपी गयी है। उसके बाद से ही अभिषेक के टीम से जाने की अटकलें तेज हो गयी हैं। वैसे भी आईपीएल की अगली नीलामी से पहले टीमों के बीच खिलाड़ियों को बनाए रखने और रिलीज करने को लेकर बातें चल रही हैं। अभिषेक साल 2019 से ही सनराइजर्स से खेलते रहे हैं और उन्होंने लंबे समय से टीम की कप्तानी करने की इच्छा जताई है। मौजूदा जानकारी के अनुसार, पिछले सत्र से ही सनराइजर्स के साथ उनके संबंध अच्छे नहीं रहे हैं। ईशान को कप्तानी दिए जाने के बाद उनकी नाराजगी की खबरें सामने आई हैं, जिसने इन अटकलों को और बल मिला है।हालांकि, अभिषेक शर्मा के अगले सीजन में सनराइजर्स हैदराबाद छोड़ने को लेकर अभी कोई अंतिम फैसला नहीं हुआ है। वहीं कहा जा रहा है कि उनसे कई फ्रेंचाइजी की अनौपचारिक स्तर पर बातचीत हुई है, लेकिन अब तक कोई ठोस निष्कर्ष नहीं निकला है। माना जा रहा है कि वह मुंबई इंडियंस, गुजरात टाइटंस और पंजाब किंग्स में जा सकते है। इसके अलावा दिल्ली कैपिटल्स भी उनको ले सकता है। इसका कारण है कि उनके गुप्त युवराज सिंह दिल्ली से जुड़ गये हैं। वहीं दूसरे ओर सनराइजर्स के मुख्य कार्यकारी अधिकारी के. शनमुगम का कहन हैकि अभिषेक टीम में ही रहेंगे। ये भी सही है कि अभी तक न ही अभिषेक और फ्रेंचाइजी ने टीम से अलग होने की कोई बात की है। गौरतलब है कि 2027 में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट का कार्यक्रम काफी व्यस्त रहने वाला है, जिसके चलते पैट कम्पिंस जैसे अंतरराष्ट्रीय कप्तान की उपलब्धता पर संकल बनने हूए हैं। वहीं वजह है कि सनराइजर्स हैदराबाद ने कप्तानी के लिए ईशान किशन को लिया है।

विश्वकप करीब होने से अब एक ही संयोजन के साथ उतरेंगे : शुभमन

मुम्बई 1। भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान शुभमन गिल ने कहा है कि साल 2027 में होने वाले एकदिवसीय विश्वकप में अब ज्यादा समय नहीं है। ऐसे में अब टीम संयोजन में और अधिक प्रयोग नहीं किये जाएंगे। शुभमन के अनुसार अब टीम अब तक के प्रयोगों के बाद

पाये गये सबसे बेहतर संयोजन के साथ आने वाले मुकाबलों में उतरेगी। भारतीय टीम ने हाल में वेस्टइंडीज के खिलाफ सीरीज में पहले दो मैच जीते थे पर अंतिम मैच में तीन सौ से अधिक रन बनाने के बाद भी उसके गेंदबाज लक्ष्य का बचाव नहीं कर पाये थे। जिससे उसके हाथ से मुकाबला निकल गया। इससे सबक लेते हुए टीम को अपनी गेंदबाजी की कमजोरी को दूर करना होगा। इस सीरीज में हालांकि भारतीय टीम को कई प्रमुख खिलाड़ियों के वीन ही खेलना पड़ा था क्योंकि तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह सहित कई खिलाड़ी एशियाई खेलों के लिए गये हुए थे। दिया। इससे कई बैकअप खिलाड़ियों को अपनी प्रतिभा दिखाने का मौका मिला। वहीं हार्दिक पंड्या और प्रसिद्ध कृष्णा जैसे खिलाड़ियों की चोटों ने भी टीम की मुश्किलें इस सीरीज में बढ़ाई थीं। ऐसे में टीम को अनुभवी के साथ ही युवा खिलाड़ियों को भी टीम में उतरना पड़ा था। इन हालातों में ऋतुराज गायकवाड़, नमन धीर, अंशुल कंबोजे और आर्किब नबी जैसे खिलाड़ियों को राष्ट्रीय टीम में अपनी दावेदारी पेश करने का अवसर दिया। वहीं नीतीश कुमार रेड्डी और गुरनूर बराड़ जैसे युवा खिलाड़ियों को भी भविष्य के लिए तैयार किया जा रहा है।

कोहली और रोहित की नजरें न्यूजीलैंड के खिलाफ अधिक से अधिक रन बनाने पर होंगी

मुम्बई 1। भारतीय क्रिकेट टीम के अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली और रोहित शर्मा की नजरें अब अगले माह न्यूजीलैंड के खिलाफ होने वाली एकदिवसीय सीरीज में बेहतर प्रदर्शन करने पर लगी रहेंगी। हाल में वेस्टइंडीज के खिलाफ हुई एकदिवसीय सीरीज में अपनी आक्रामक बल्लेबाजी से इन दोनों ने ही आगामी एकदिवसीय विश्वकप के लिए अपनी दावेदारी पेश की है। अब इनकी नजरें कीवी दौरे में भी अधिक से अधिक रन बनाकर अपनी दावेदारी मजबूत करना रहेगा। टेस्ट और टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास ले चुके ये दोनों ही दिग्गज खिलाड़ी अभी केवल एकदिवसीय प्रारूप में ही खेलते हैं। इनका ध्यान अब साल 2027 में होने वाले विश्व कप से पहले अपनी सर्वश्रेष्ठ लय को बनाये रखना रहेगा। हाल ही में वेस्टइंडीज के खिलाफ खेली गई घरेलू दनडे सीरीज में इन दोनों दिग्गजों ने अपने बल्ले की चमक से पूरी दुनिया का दिल जीत लिया था। विराट कोहली ने असाधारण प्रदर्शन करते हुए मात्र 3 पारियों में 84.00 के शानदार औसत से कुल 168 रन बनाए, जिसमें पहले ही मैच में महज 88 गेंदों में उनकी नाबाद 139 रनों की शतकीय पारी शामिल थी। इसी सीरीज के दौरान उन्होंने एकदिवसीय क्रिकेट में अपने 15,000 रन भी पूरे किए, महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर के बाद इस मुकाम तक पहुंचने वाले वह दुनिया के केवल दूसरे खिलाड़ी बन गए।

नईदुनिया

पुर्तगाल ने नार्वे को हराकर नेशंस लीग क्वार्टर फाइनल में बनाई जगह

पोर्टो क्रिस्टियानो रोनाल्डो के बिना खेल रहे मौजूदा चैंपियन पुर्तगाल ने नेशंस लीग में नार्वे को 2-1 से हराकर मार्च में होने वाले क्वार्टर फाइनल में अपनी जगह पक्की कर ली। पुर्तगाल ने प्रतियोगिता में लगातार चार जीत दर्ज करते हुए ग्रुप ए4 में शीर्ष दो में स्थान सुनिश्चित कर लिया है।

पुर्तगाल की ओर से गोंसालो रामोस ने मैच खत्म होने से 11 मिनट पहले निर्णायक गोल किया। इस जीत के बाद पुर्तगाल दूसरे स्थान पर मौजूद डेनमार्क से छह अंक आगे हो गया है। डेनमार्क ने कार्डिफ में वेल्स को 1-0 से हराया। रोनाल्डो पिछले सप्ताह कोच जार्ज जौसस के साथ विवाद के बाद टीम से अलग हो गए थे। उनके बिना भी पुर्तगाल ने गुरुवार को डेनमार्क

के खिलाफ जीत दर्ज की थी और अब घरेलू मैदान पर नार्वे को हराकर अपनी जीत की लय कायम रखी।

नार्वे ने 36वें मिनट में बढ़त बनाई। सेंटर-बैक क्रिस्टोफर एजेर ने पेनल्टी क्षेत्र के बाहर से शानदार हाफ-वाली लगाकर गेंद को गोल में पहुंचाया। हालांकि, दो मिनट बाद ही पुर्तगाल ने बराबरी कर ली। जोआओ कैंसेलो ने जोरदार शाट लगाकर स्कोर 1-1 कर दिया।

निर्णायक गोल रामोस ने किया। जोआओ फेलिक्स ने गोल की ओर हेडर के जरिए गेंद पहुंचाई, जिसे रामोस ने अपने पैर के पिछले हिस्से से गोल में डाल दिया।

पुर्तगाल के कोच जार्ज जौसस ने कहा, नार्वे को हराने के लिए काफी तकनीकी गुणवत्ता की जरूरत होती है। हमने डेनमार्क के खिलाफ जैसा

प्रदर्शन किया था, वैसा प्रदर्शन किए बिना जीत हासिल की, लेकिन महत्वपूर्ण बात जीत और क्वालीफिकेशन थी। मुझे इस टीम पर काफी भरोसा था, लेकिन शायद मैंने यह उम्मीद नहीं की थी कि हम अपने पहले चार मैचों में चार जीत दर्ज कर लेंगे। पुर्तगाल की जीत हालांकि फ्रांसिस्को कोंसेइसाओ के लाल कार्ड के कारण कुछ फीकी रही। मैच खत्म होने से चार मिनट पहले उन्हें दूसरा पीला कार्ड मिला। पीला कार्ड मिलने के बाद उन्होंने रेफरी की ओर व्यंग्यात्मक अंदाज में अंगुठा दिखाया, जिसके तुरंत बाद उन्हें मैदान से बाहर भेज दिया गया।

डेनमार्क ने वेल्स को हराया – कार्डिफ में वेल्स के गोलकीपर डेनी वार्ड ने डेनमार्क को रोकने के लिए कई शानदार बचाव किए, लेकिन 75वें मिनट में गुस्ताव इसाक्सने को फाउल

करने के कारण उन्होंने पेनल्टी दे दी। रासमुस होयलुंड ने पेनल्टी को गोल में बदलकर डेनमार्क को 1-0 से जीत दिलाई।

नीदरलैंड्स ने सर्बिया को हराया – ग्रुप ए2 में नीदरलैंड्स ने आईडहोवन में सर्बिया को 2-1 से हराकर गोल अंतर के आधार पर शीर्ष स्थान हासिल कर लिया। कप्तान वर्जिल वान डाइक ने अपना 100वां अंतरराष्ट्रीय मैच खेला। नीदरलैंड्स ने 31वें मिनट में बढ़त बनाई। ट्यून कूपमाइन्स की फ्री-किक को पेनल्टी क्षेत्र में किसी खिलाड़ी का स्पर्श नहीं मिला और गेंद सीधे गोल के कोने में चली गयी। चार मिनट बाद सर्बिया ने बराबरी कर ली। अलेक्सा तेर्जिच के क्रास पर किशोर खिलाड़ी मिहायलो त्स्येत्कोविच ने कूपमाइनस से ऊपर उठकर हेडर से अपना पहला अंतरराष्ट्रीय गोल किया।

आयरलैंड फुटबाल टीम ने फिर पहनी काली पट्टी, इजराइल से हाथ मिलाने से किया इनकार

बास्का टोपोला, सर्बिया आयरलैंड की पुरुष फुटबाल टीम के खिलाड़ियों ने इजराइल के खिलाफ नेशंस लीग मुकाबले से पहले एक बार फिर काली पट्टी बांधी और इजराइल के राष्ट्रगान के दौरान सिर झुकाकर गाजा में इजरायल की कार्यवाई के विरोध का संकेत दिया। इसके बाद दोनों टीमों के बीच खेला गया मुकाबला 1-1 से ड्रा रहा। इजराइल के खिलाड़ियों ने भी काली पट्टी पहनी। उन्होंने 7 अक्टूबर 2023 को हमास के नेतृत्व में इजराइल में हुए हमलों में मारे गए लोगों की याद में ऐसा किया। इजराइल के कप्तान डोर पेरेट्ज की पट्टी पर 7.10 लिखा था।



इस मैच में खेलने का मौका नहीं मिला।

मैच का पहला गोल आयरलैंड ने किया। 39वें मिनट में पेरेट्ज द्वारा जिमी डन पर किए गए फाउल के बाद ट्राय पैरेट ने पेनल्टी को गोल में बदलकर आयरलैंड को 1-0 की बढ़त दिलाई। पहले हाफ के बाद खिलाड़ी मैदान से बाहर जा रहे थे, तभी दोनों पक्षों के बीच साइडलाइन पर बहस भी हुई।

दूसरे हाफ की शुरुआत से पहले पेरेट्ज ने अपनी जर्सी के पिछले हिस्से को गर्दन के ऊपर उड़ाया, जिससे उस पर बना इजराइल का झंडा स्पष्ट दिखाई दे रहा था। खेल शुरू होने के दो मिनट बाद उन्होंने करीब से गोल कर इजराइल को 1-1 की बराबरी दिला दी।

दूसरे हाफ में इजराइल के स्थानापन्न खिलाड़ी ओमरी गैंडेलमैन और आस्कर ग्लुख ने गोल के दाहिने पोस्ट पर गेंद मारी। मुकाबले के दौरान कुछ कड़े टैकल के बाद दोनों टीमों के खिलाड़ियों के बीच तनाव बढ़ता दिखा, जिस पर रेफरी जुआन मार्टिनेज मुनुएरा को लगातार नजर रखनी पड़ी।

मुकाबला डबलिन से सर्बिया स्थानांतरित किया गया – यह मुकाबला मूल रूप से डबलिन में

खेला जाना था, लेकिन व्यापक बहिष्कार की मांगों के बाद आयरिश फुटबाल संघ ने जून में इसे परिचालन कारणों का हवाला देते हुए तटस्थ स्थान पर कराने का फैसला किया। संघ ने यह भी कहा था कि मुकाबला बिना दर्शकों के खेला जाएगा।

इससे पहले आयरिश फुटबाल संघ ने पिछले नवंबर में एक प्रस्ताव पारित कर यूईएफए से इजरायल को क्लब और अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं से प्रतिबंधित करने की मांग की थी।

आयरलैंड में फिलिस्तीन के प्रति मजबूत समर्थन के कारण खिलाड़ियों पर दोनों मैचों के बहिष्कार का दबाव था। पहले मुकाबले से पहले यह दबाव और भी अधिक था। आयरलैंड के कोच हैमिर हालग्रिमसन ने उस समय कहा था, मैंने उस दबाव को दिन-ब-दिन बढ़ते महसूस किया और अब यह लगभग अपनी सीमा तक पहुंच रहा है।

हालांकि, रिजर्व गोलकीपर गैविन बाजुनु को छोड़कर किसी खिलाड़ी ने दोनों मैचों से हटने का फैसला नहीं किया। बाजुनु ने बयान जारी कर कहा था कि निर्दोष लोगों को हत्या गलत है और यह उनका व्यक्तिगत विश्वास है।

माइकल ब्रेसवेल न्यूजीलैंड क्रिकेट के कैप्टन अल कान्ट्रेक्ट पर, निक केली को मिला पहला राष्ट्रीय अनुबंध

वेलिंगटन

न्यूजीलैंड के आलराउंडर माइकल ब्रेसवेल 2026-27 सत्र के लिए न्यूजीलैंड क्रिकेट के केंद्रीय अनुबंध से हटकर कैप्टन अल कान्ट्रेक्ट पर रहेंगे। इससे उन्हें आस्ट्रेलिया की बिग बैश लीग में खेलने का अवसर हासिल करने की अनुमति मिलेगी। ब्रेसवेल न्यूजीलैंड के कैप्टन अल कान्ट्रेक्ट वाले खिलाड़ियों की सूची में फिन एलन, मार्क चैपमैन, लाकी फार्ग्युसन, एडम मिलने और टिम सीफर्ट के साथ शामिल होंगे।

35 वर्षीय ब्रेसवेल केंद्रीय अनुबंध सूची से बाहर होने के बावजूद न्यूजीलैंड टीम के लिए उपलब्ध रहेंगे। उनकी जगह नार्दन डिल्स्ट्रिक्ट्स के बल्लेबाज निक केली को राष्ट्रीय अनुबंध सूची में शामिल किया गया है। 33 वर्षीय केली को प्रथम श्रेणी क्रिकेट में पदार्पण के 11 साल बाद पहली बार न्यूजीलैंड का राष्ट्रीय अनुबंध मिला है।

ब्रेसवेल ने कहा कि वह न्यूजीलैंड के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध हैं और भारत के खिलाफ आगामी पांच मैचों की टी20 अंतरराष्ट्रीय सीरीज में खेलने को लेकर उत्साहित हैं।

ब्रेसवेल ने न्यूजीलैंड क्रिकेट के हवाले से कहा, मेरे करियर के इस पड़ाव पर यह अवसर हासिल करने के लिए न्यूजीलैंड क्रिकेट का समर्थन मेरे लिए बहुत मायने रखता है। एक ऐसे खिलाड़ी के रूप में, जो सिर्फ सीमित ओवरों का क्रिकेट खेलता है, यह ऐसा अवसर था जिसे छोड़ना मेरे लिए बहुत मुश्किल था। मैं अब भी ब्लैक कैप्स के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध हूं और आगामी भारत दौरे तथा भविष्य की सीमित ओवरों की सीरीज में शामिल होने के लिए बेहद उत्साहित हूं। मेरी नजरें अगले सत्र से शुरू होने वाली पहली एनजेड20 प्रतियोगिता में खेलने के अवसर पर भी पूरी तरह टिकी हुई हैं।



हो जाते हैं। श्रेयस में ये सभी खुर्चायें हैं और इसके ऊपर उनमें वह निस्वार्थ भावना भी है।

वैभव को अवसर के लिए करना होगा इंतजार – वैभव सूर्यवंशी को लेकर हुई बातचीत के बारे में गंभीर ने कहा कि युवा खिलाड़ी शानदार फार्म में हैं, लेकिन लंबे समय से अच्छा प्रदर्शन कर रहे खिलाड़ियों की मौजूदगी के कारण उन्हें अपने अवसर का इंतजार करना पड़ सकता है।

गंभीर ने कहा, यह मेरे लिए भी एक नया अनुभव था। हां, वह शानदार फार्म में थे, लेकिन



न्यूजीलैंड के मुख्य कोच राब वाल्टर ने कहा कि घरेलू क्रिकेट में केली की निरंतरता ने उन्हें राष्ट्रीय अनुबंध दिलाया है। वाल्टर ने ओटागो में दो सत्रों के दौरान केली को कोचिंग भी दी है।

वाल्टर ने कहा, निक पिछले कई सत्रों से घरेलू क्रिकेट में शानदार प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों में शामिल रहे हैं और यह उनकी कड़ी मेहनत का प्रमाण है कि करियर के इस पड़ाव पर उन्हें अपना पहला अनुबंध मिला है।

उन्होंने कहा, निक जैसे खिलाड़ियों को अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में थोड़ा देर से लाने के निश्चित रूप से कुछ फायदे हैं। खिलाड़ी इस समय तक अपने खेल को बेहतर तरीके से समझ चुका होता है और दबाव में प्रदर्शन करने के लिए खुद पर भरोसा कर सकता है। केली ने अपने पिछले चार वनडे मैचों में तीन अर्धशतक लगाए हैं। वाल्टर का मानना ​​है कि उनका अनुभव टीम के लिए काफी उपयोगी साबित होगा। वाल्टर ने कहा, बांग्लादेश और वेस्टइंडीज के खिलाफ चुनौतीपूर्ण बल्लेबाजी परिस्थितियों में भी निक ने अपने प्रदर्शन से खुद को साबित किया।

और बहुत अच्छी फार्म में भी है। इसलिए कभी-कभी आपको अपने अवसर के लिए इंतजार करना होगा, क्योंकि हम उस ड्रेसिंग रूम में सुरक्षा की भावना पैदा करना चाहते हैं।

निरंतरता बनाए रखना जरूरी – गंभीर ने टीम में निरंतरता बनाए रखने और लोकप्रिय फैसलों के बजाय सही फैसले लेने के महत्व को भी जोर दिया। उन्होंने कहा, मेरे लिए लोकप्रिय फैसले लेना बहुत आसान है, लेकिन शायद मेरे लिए सबसे मुश्किल काम सही फैसले लेना है। और हमने संजु और अभिषेक के साथ जारी रखने का सही फैसला लिया है। खेल के इतिहास में कोई भी टीम एक विश्व कप से दूसरे विश्व कप तक अपराजित नहीं रही है और फिर दोबारा विश्व कप नहीं जीता है। अचानक एक खराब सीरीज या यहां-वहां तीन खराब मैच उन्हें खराब खिलाड़ी नहीं बना देते और न ही हमें खराब टीम बना देते हैं। इसलिए हमारे लिए निरंतरता बनाए रखना बहुत महत्वपूर्ण था।